

2052. BHĀG. P. 8, 2, 18. m. ein am Ufer stehender Baum: नदी सौम्या तीरैर्बहुभिर्वृता R. 2, 91, 31. — Vgl. तीररुह.

तीरण eine best. Pflanze, = कारञ्जिका NIGH. Pa.

तीरभुक्ति (तीर + भुक्ति) m. N. pr. eines Landes, das heutige Tirhut TRIK. 2, 1, 8. LIA. I, 138, N. 1. COLEBR. MISC. ESS. I, 367. WASSILJEV 53. 84. — Vgl. त्रिभुक्ति.

तीर्य (von तीर), तीर्यति glücklich zu Ende bringen (eig. glücklich an's Ufer bringen) DHĀTUP. 35, 58. तीर्यति संग्रामं पारयति H. 780, Sch. तीरितं चानुशिष्टं च यत्र क्वचन यद्भवेत्। कृतं तद्धर्मतो विद्यात्र तद्द्वयो निवर्तयेत् ॥ M. 9, 233. — Vgl. तिर्यक्कार् u. तिर्यञ्च् 1. am Ende.

तीररुह (तीर + रुह) adj. am Ufer wachsend: द्रुमैः R. 2, 93, 4. m. ein am Ufer wachsender Baum: नानाविधैस्तीररुहैः संवृतां (नदीं) फलपुष्पैः R. GOBR. 2, 104, 4. 19. — Vgl. तीरज.

तीराट m. = तिरोट Symplocos racemosa ROZB. WILS.

तीरु in der Stelle: नमस्ते (शिवाय) ऽभीषुकस्ताय तीरुनीरुहराय HARIV. 14891 wohl nur fehlerhaft für भीरु.

तीर्ण 1) partic. s. u. 1. तर्. — 2) f. आ N. eines Metrums (4 Mal — — —) COLEBR. MISC. ESS. II, 158 (IV, 1).

तीर्णपदी (तीर्ण + पद्, पाद्) f. eine best. Pflanze, = तालमूली ÇAB-DAK. im ÇKDR.

तीर्थ (von 1. तर्) UNĀDIS. 2, 8. m. n. g a ṅ a अर्थर्चादि zu P. 2, 4, 31. TRIK. 3, 5, 13. SIDDH. K. 249, a, 7. Das m. nur ausnahmsweise im Epos. 1) Zugang, Strasse; insbes. Steig zum Wasser, Tränke, Badeplatz, ein entsündigender Badeplatz: zu dem man wallfahrtet; Furth durch das Wasser: तीर्थं नाचक्षा तात्पाणामेकां दीर्घां न सिधमा कृपोत्यधो RV. 1, 173, 11. 169, 6. 9, 97, 53. 10, 31, 3. आप्रानं तीर्थं क इह प्र वीचयेनं पथा प्रपिबन्ते सुतस्य 114, 7. कृतं तीर्थं सुप्रयाणम् 40, 13. समुद्रस्य ÇAT. BR. 12, 2, 4, 1. 5. तीर्थं सिन्धूनाम् RV. 1, 46, 8. 8, 61, 7. तीर्थैस्तरन्ति प्रवृत्ता मूढाः AV. 18, 4, 7. VS. 16, 61. 30, 16. यथा धेनुं तीर्थे तर्पयति TBR. 2, 1, 8, 3. तीर्थं स्नाति TS. 6, 1, 4, 2. PAÑKAV. BR. 9, 4. रम्यतीर्थी (नदी) MBH. 3, 3329. सुतीर्थी (नदी) 2, 375. R. 2, 56, 33. अकर्ममिदं तीर्थम् 1, 2, 6. fgg. कृततीर्थः पयसामिवाशयः KIR. 2, 3. (वस्तः) व्ययत् तीर्थमुद्धृत्य विषाणाश्रेण रोधसि Steig zum Brunnen BHĀG. P. 9, 19, 4. परस्त्रियं यो ऽभिवेदतीर्थं ऽरण्ये वने ऽपि वा M. 8, 356. एवं तीर्थेषु सर्वेषु धनोत्सर्गं नृपात्मज्ञा। कुर्वती ŚIV. 1, 38. ततो ऽभिगम्य तीर्थाणि सर्वाण्येवाश्रमास्तथा 2, 2. INDR. 1, 25. MBH. 13, 1688. fgg. प्रुचि मनो यद्यस्ति तीर्थेन किम् BHARTR. 2, 45. पुण्यतीर्थं कृतं येन तपः क्षाप्यति दुष्करम् HIT. Pr. 17. तीर्थे (BURNOUF: devant un homme digne de leurs dons) युधि वार्धिनार्थिताः BHĀG. P. 8, 19, 4. ०कम-एडलु ein Krug mit Wasser von einem geheiligten Badeorte 9, 10, 43. तीर्थार्द्र R. 1, 9, 34. VARĀH. BRH. S. 39, 9. 69, 13. 19. तीर्थार्थिनं KATHĀS. 10, 16. तीर्थभिषेकज्ञां प्रुद्धिम् RAGH. 1, 85. BHĀG. P. 4, 30, 37. यच्छैचनिः-सूतसरित्प्रवरोदेकेन तीर्थेन 3, 28, 22. अन्धाङ्गस्तव कीर्तित्तीर्थयोरत्तर्बुद्धिः-स्नानविधूनुपात्मनाम् 24, 58. तत्कमलरेणुसुगन्धि वक्त्रं तत्प्रेमवारि मकर-ध्वजतापहारि — सुरतेकतीर्थम् KĀURAP. 42. सत्कार्णपीयूषे — तीर्थवरे BHĀG. P. 9, 24, 61. अग्राधे विमले मुद्गे सत्यतोपे धृतिरुदे। स्नातव्यं मानसे तीर्थे सत्यमालम्ब्य शाश्वतम् ॥ MBH. 13, 5354. 5361. मनसश्च पृथिव्याश्च पुण्यास्तीर्थस्तथापरे। उभयोरव यः स्नायात्स सिद्धिं शीघ्रमाप्नुयात् 5367. शरीरस्थानि तीर्थानि प्रोक्तान्येतानि भारत। पृथिव्यां यानि तीर्थानि पु-

III. Theil.

एयानि ऋणु तान्यपि ॥ 5363. eine Stimme, die Hari nicht preist wird BHĀG. P. 1, 8, 10 वायसं तीर्थम् ein Badeplatz für Krähen genannt: vgl.

तीर्थकाक, ०घाङ्, ०वायस. In den Ritualbüchern: der Zugang zum Opfer-

altar, der zwischen der Grube (चाबाल) und dem Erdaufwurf (उत्कार) hindurchführt, KĀTJ. ÇR. 5, 5, 11. 10, 2, 13. 14, 3, 16. ĀÇV. ÇR. 4, 10, 9, 9.

LĀTJ. 1, 8, 4. तेनाक्षरेण प्रतिपद्यते चाबालं चोत्कारं चैतद्वै देवानां तीर्थम् SHADY. BR. 3, 1. ÇĀÑKH. ÇR. 5, 14, 2. Rinne, Vertiefung PADDH. zu KĀTJ. ÇR. 366, 14, 15. Nach den Lexicogr.: = जलावतार, अवनतार (welches

WILS. in der Bed. an Avatār or descent of a deity aufgefasst hat), n. TRIK. 3, 3, 326. H. an. 2, 215. MED. th. 7. VIÇVA beim Schol. zu KIR. 2, 3

(जलावतार) und bei UGGĀL. (अवनतार). HALĀJ. beim Schol. zu KIR. 2, 3. m. H. 1087. n. = ऋषिजुष्टजल AK. 3, 4, 45, 89. H. an. MED. VIÇVA bei UGGĀL. = निपान AK. = नेत्र MED. VIÇVA. = पुण्यनेत्र H. an. m. = म-

हालय HĀR. 264. — 2) der gangbare Weg, die gebräuchliche —, rechte Weise: तीर्थेन in der gehörigen Ordnung, in gebräuchlicher Weise ÇAT. BR. 14, 9, 1, 10. KĀTJ. ÇR. 17, 3, 23. तीर्थतम् dass.: शित्तितो ह्यस्मि सारथ्ये तीर्थतः MBH. 4, 1411. अतर्थेन auf unrechte Weise ÇAT. BR. 11, 4, 2,

14. LĀTJ. 3, 4, 5. GOBR. 1, 2, 20. — 3) der rechte Ort, der rechte Augenblick; ein geheiligter Ort, ein geheiligter Augenblick: अतीर्थं वै दन्ति-

णानां प्रातःसवनम् ANUPADA 1, 8. विक्रियवसं गवाम्। गोभिः प्रवर्तिते तीर्थे (KULL.: तस्मिन्यवसे भृद्यमाणे देशे गोभिः पवित्रीकृतवातीर्थेभित्ते) कुर्युस्तस्य परिग्रहम् ॥ M. 11, 196. तीर्थसमये ऽप्यपि वित्तिलाम्बु (BURNOUF: au moment du bain) BHĀG. P. 7, 8, 44. अतीर्थे (BURN.: hors des cas de sacrifice) च मृगाविव्रति 5, 26, 24. अहिसत्सर्वभूतान्यन्यत्र तीर्थेभ्यः (ÇĀÑK.: तीर्थं नाम शास्त्रानुज्ञाविषयः) KĀND. UP. 8, 15. प्रजातीर्थे im geheiligten Augenblick der Geburt BHĀG. P. 1, 12, 14. ०विद् ebend. तीर्थ = यज्ञ, अर्घ्य Opfer H. an. MED. VIÇVA. — 4) Anweisung, Anleitung

(Steig zu Etwas); concr. Führer, Lehrer: विषयो ऽपि विगाह्यते नयः कृततीर्थः पयसामिवाशयः (Schol. erkl. कृततीर्थः auf नयः bezogen durch कृताभ्यासाश्रयः, auf पयसामाश्रयः bezogen durch कृतजलावतारः) KIR. 2, 3. वासुदेवेन तीर्थेन तात गच्छस्व संशमम् MBH. 5, 4212 (vgl. अनेन हि सूरुयेन 4210). मया सुतीर्थादभिनयविद्या सुशिक्षिता (WEBER fasst सुतीर्थ als N. pr.) MĀLAV. 11, 16; vgl. कुतीर्थ. = आगम AK. = शास्त्र H. an.

MED. VIÇVA. = उपाय TRIK. 3, 3, 197. H. an. MED. VIÇVA. = गुरु oder उपाध्याय AK. H. an. MED. VIÇVA. — 5) Gelegenheit zu Etwas: स तदा लब्धतीर्थो ऽपि न ब्रवाधे निरायुधम् BHĀG. P. 3, 19, 4. — 6) gewisse L-

inien oder Theile der Hand, Strassen der Götter u. s. w.; im Ganzen vier AK. 2, 7, 50. H. 840. M. 2, 58. 59. 61. JĀGĀ. 1, 19. MBH. 13, 5058. MĀRK. P. 34, 103. fgg. Schol. zu KĀTJ. ÇR. 291, 5 v. u. 380, 20. 413, ult. सौम्यं तीर्थम् die Mitte der Hand H. ç. 152. — 7) ein Gegenstand der

Verehrung, ein heiliger Gegenstand: तीर्थश्रवस् adj. dessen Ruf schon heiligt BHĀG. P. 2, 7, 15. 8, 17, 8. तीर्थकीर्ति dass. 3, 1, 45. 5, 13. कीर्त-

न्यतीर्थयशस् adj. 13, 48. 28, 18. उपलब्धसुतीर्थकीर्ति 16, 6. पादतीर्थ (vgl. तीर्थपद्) die heiligen Füße 4, 20. 4, 22, 11. — 8) eine würdige Person, = पात्र (daher a vessel bei WILS.) H. an. MED. हरदेव परितेत ब्राह्मणं वे-

दपारगम्। तीर्थे तद्व्यकच्यानां प्रदाने सो ऽतिथिः स्मृतः ॥ M. 3, 130. शौ-चेन वृत्तशौचार्थास्ते तीर्थाः प्रुचयश्चे त् MBH. 13, 5356. तद्विविधनद्वेषुद्धिस्ती-

र्थप्रवरमुच्यते 5354. अतीर्थं ब्राह्मणस्त्यागी तीर्थं चाप्रतिपादकः 12, 1212.

22*